भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

ल खत प्रश्न सं. 620

गुरूवार, 21 जुलाई, **202**2/30 आषाढ़, **194**4 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

भारतीय पर्यटन वकास निगम

620. श्री जोस के. म णः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) भारतीय पर्यटन वकास निगम (आईटीडीसी) की संरचनागत और चालनगत वशेषताएं क्या-क्या हैं;

(ख) आईटीडीसी द्वारा वर्तमान में कए जा रहे पर्यटन संचालन का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या ऐसी कोई समझ या तंत्र है जिसके माध्यम से राज्यों के पर्यटन वकास निगमों के साथ अतिव्याप्ति के बिना पर्यटन प्रचालन हो सके; और

(घ) क्या सरकार ने व भन्न पर्यटन स्थलों के लए सस्ते टिकट उपलब्ध कराने की सु वधा प्रदान करने के लए निजी एयरलाइन ऑपरेटरों के साथ बातचीत की है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क): आईटीडीसी आतिथ्य, यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में "वन स्टॉप समाधान प्रदाता" है जो देश में घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन के वकास , संवर्धन और वस्तार के समग्र उद्देश्य को पूरा करने में योगदान देता है। आईटीडीसी देश में पर्यटन के प्रगतिशील वकास, संवर्धन और वस्तार में प्रमुख प्रस्तावक रहा है।

आईटीडीसी पर्यटकों को परिवहन सु वधाएं (आईटीडीसी-अशोक ट्रेवल्स एंड टूर्स/एटीटी) , सीमा शुल्क मुक्त खरीदारी की सु वधाएं (आईटीडीसी-अशोक इंटरनेशनल ट्रेड डवीजन/एआईटीडी) , कार्यक्रम प्रबंधन सेवाएं (आईटीडीसी-अशोक इवेंट्स डवीजन/एईडी) , अ भयांत्रिकी से संबं धत परामर्श सेवाएं (अशोक कंसल्टेंसी एंड इंजीनियरिंग स र्वसेज/एसीईएस डवीजन) प्रदान करने और साउंड एंड लाइट शो (आईटीडीसी-एसईएल/सोन एट लु मयर डवीजन) समन्वायोजित करने के अलावा पर्यटकों (होटल) के लए व भन्न स्थानों पर होटल , रेस्तरां चला रहा है। निगम का अशोक आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंधन संस्थान (आईटीडीसी-एआईएचटीएम) पर्यटन और आतिथ्य के क्षेत्र में प्र शक्षण और शक्षा प्रदान करता है। आईटीडीसी पश्चिमी न्यायालय, वज्ञान भवन, हैदराबाद हाउस और संसद भवन में खानपान सेवाओं के प्रबंधन का कार्य भी देख रहा है। बदलते परिदृश्य में स्वयं के जीर्णोद्धार के लए , आईटीडीसी अ भयांत्रिकी अपने

शेष व्यावसायिक क्षेत्र को समे कत करने के अलावा , पर्यटन और इंजीनियरिंग परियोजनाओं के परामर्श और निष्पादन , पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्रों में प्र शक्षण/शक्षा जैसी नई सेवा-उन्मुख व्यावसायिक गति व धयों में व वधता लाया है।

(ख): आईटीडीसी-होटल: वर्तमान में आईटीडीसी होटल प्रभाग निम्न ल खत इकाइयां चला रहा है:

- अशोक होटल, नई दिल्ली
- सम्राट होटल, नई दिल्ली
- होटल क लंग अशोक, भुवनेश्वर, ओ डशा
- होटल जम्मू अशोक (परिचालन बंद), जम्मू, जम्मू और कश्मीर (जे एंड के)
- ताज रेस्टोरेंट, आगरा, उत्तर प्रदेश
- अशोक बीच रिज़ॉर्ट, पुडुचेरी, आईटीडीसी और पां डचेरी औद्यो गक संवर्धन वकास और निवेश निगम ल मटेड/पीआईपीडीआईसीएल का संयुक्त उद्यम (जेवी)
- होटल रांची अशोक , रांची, झारखंड, आईटीडीसी और बिहार राज्य पर्यटन वकास निगम/बीएसटीडीसी (परिचालन बंद) का संयुक्त उद्यम
- होटल नीलाचल अशोक पुरी , ओ डशा, आईटीडीसी और ओ डशा पर्यटन वकास निगम/ओटीडीसी (परिचालन बंद) का संयुक्त उद्यम

आईटीडीसी का एटीटी प्रभाग हवाई टिकट , परिवहन और दौरों से संबं धत कार्य देखता है। आईटीडीसी-एटीटी संस्था के ज्ञापनों और अंतर्नियमों के अनुसार अपने कार्यों का संचालन कर रहा है।

आईटीडीसी का एईडी पर्यटन मंत्रालय के साथ कये गए समझौता ज्ञापन/एमओयू के अनुसार पर्यटन मंत्रालय के कार्यक्रमों का निष्पादन करता है।

एआईएच और टीएम आईटीडीसी का मानव संसाधन वकास/एचआरडी प्रभाग पर्यटन संबंधी कार्यों का प्रत्यक्ष रूप से प्रचालन नहीं कर रहा है। तथा प , पर्यटन गति व धयों में शा मल आतिथ्य पेशेवरों को गुणवत्तापूर्ण प्र शक्षण प्रदान कर रहा है। यह प्रभाग पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित कई कौशल वकास प्र शक्षण कार्यक्रमों जैसे हुनर से रोजगार, कौशल परीक्षण एवं प्रमाणन, उद्य मता कार्यक्रम और पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करता है।

आईटीडीसी के एआईटीडी की 15 सीमा शुल्क रहित दुकानें बंदरगाहों पर स्थित हैं।

आईटीडीसी का एसीईएस प्रभाग देश में पर्यटन के वकास और वस्तार हेतु पर्यटन मंत्रालय और राज्य सरकारों द्वारा स्वीकृत व भन्न परियोजनाओं को शुरू करता है। एसीईएस प्रभाग अपनी स्थापना के समय से ही पर्यटन अवसंरचना वकास , होटल, शै क्षक, भूनिर्माण, रिवर फ्रंट वकास परियोजनाओं आदि की संकल्पना से लेकर उन्हें चालू करने तक की सेवाएं प्रदान करता रहा है। यह प्रभाग वस्तृत परियोजना रिपोर्ट , व्यवहार्यता और पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट, लागत-लाभ वश्लेषण, पर्यटन अवसंरचना के वकास के लए आरेखण , प्राक्कलन और

नि वदा दस्तावेज भी तैयार करता है। यह प्रभाग पर्यटन मंत्रालय की केंद्रीय प्रमुख योजनाओं जैसे स्वदेश दर्शन और केन्द्रीय वत्तीय सहायता/सीएफए योजनाओं तथा अन्य राज्य सरकारों के अंतर्गत व भन्न पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं का भी निष्पादन करता है। एसईएल/मल्टीमी डया शो और संगीतमय फव्वारे आईटीडीसी के इस प्रभाग द्वारा कार्यान्वित कए जाते हैं।

(ग): जहां तक आईटीडीसी-एटीटी प्रभाग का संबंध है , यह हवाई टिकट, परिवहन और दौरों से संबं धत कार्यों को देखता है। एटीटी संस्था के ज्ञापनों और अंतर्नियमों के अनुसार अपने कार्यों का संचालन कर रहा है।

जहां तक आईटीडीसी के एआईटीडी का संबंध है , कोई भी राज्य पर्यटन निगम सीमा शुल्क मुक्त दुकानों के कारोबार में शा मल नहीं है।

(घ): जी नहीं महोदय, पर्यटन मंत्रालय ने कसी भी निजी एयरलाइंस ऑपरेटर के साथ इस संबंध में कोई बातचीत नहीं की है।

******